तापमान

अधिकतम 38 .5 डिग्री
न्यूनतम 22 .5 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि

रोहतक, सोमवार 11 मई 2026

9 श्रद्धालुओं की आस्था से खिलवाड़, हनुमान मंदिर के पास छलक रहा सीवर

10 विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक और प्राकृतिक संस्थानों का किया शैक्षणिक भ्रमण

खबर संक्षेप

अवैध शराब के साथ पकड़ा एक आरोपी

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने अवैध शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि ढालियावास में रह रहा मूल रूप से बिहार के बेगुसराय निवासी सुबोध अवैध रूप से शराब की बिक्री करता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर आरोपी को काबू कर लिया। उसके कब्जे से पुलिस ने देशी शराब के 70 पव्वे बरामद किए। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया। बाद में आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे उसे जमानत मिलने के कारण रिहा कर दिया गया।

सड़क हादस का आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। कसोला थाना पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर कसोला चौक के पास हुए हादसे के बाद गत 9 मई को केस दर्ज किया था। हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुलिस ने घायल के बयान केस दर्ज करने के बाद गाड़ी चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए थे। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने यूपी के देवपुरा निवासी नितेश को गिरफ्तार किया है। तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर आरोपी को रिहा कर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को परेशान करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक गांव निवासी महिला की शिकायत के बाद दोनों पक्षों के बीच बातचीत से समझौता कराने के प्रयास किए थे। समझौता नहीं होने के बाद पुलिस ने ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ 11 अप्रैल को दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने चरखी दादरी के पिचोपा निवासी शशांक को गिरफ्तार किया है।

चोरी के आरोपी से दो इन्वर्टर बरामद

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने चोरी के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी से दो इन्वर्टर बरामद किए हैं। पुलिस ने थाना क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात के बाद गत वर्ष 30 अप्रैल को चोरी का केस दर्ज किया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद चोरी की जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस गोकलगढ़ निवासी हवासिंह के कब्जे से दो इन्वर्टर बरामद किए। इसके बाद कोर्ट के आदेशानुसार आरोपी को रिहा कर दिया गया। आरोपी ने केस दर्ज होने के बाद कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। उसे मामले की तफ्तीश में शामिल करने के बाद रिहा कर दिया गया।

हत्या के प्रयास का आरोपी अभिरक्षा में

रेवाड़ी। सदर थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास मामले में एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया है। एक गांव में मारपीट के बाद पुलिस ने मेडिगो लीगल रिपोर्ट के आधार पर कई आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास के प्रयास का केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया है। उसे जेजे बोर्ड के समक्ष पेश करने के बाद बाल सुधार गृह भेजने के आदेश दिए गए। पुलिस ने आरोपी को फरीदाबाद बाल सुधार गृह भेज दिया।

रेवाड़ी। सैनी स्कूल के मतदान केंद्र का निरीक्षण करते डीसी व एसपी, राजकीय स्कूल के बूथ पर मतदाताओं की लगी कतार व राव तुलाराम स्टेडियम के बूथ पर लगी मतदाताओं की कतार। फोटो : हरिभूमि

छिटपुट घटनाओं के बीच शांतिपूर्ण ढंग से हुआ मतदान, 2 चेयरमैन और 50 पार्षदों के भाग्य ईवीएम में बंद

मतदान के प्रति शहरी वोटरों का रुझान कम धारूहेड़ा के मतदाताओं ने दिखाया दम

- 13 मई को घोषित किए जाएंगे चुनाव परिणाम, शहर में 64 .8-प्रतिशत और धारूहेड़ा में -72 .4 प्रतिशत हुआ मतदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नगर परिषद और धारूहेड़ा नगर पालिका चेयरमैन पदों के साथ-साथ दोनों निकाय में 50 वार्ड पार्षदों का चुनाव करने के लिए मतदान रविवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। कुछ बूथों पर छिटपुट घटनाएं भी हुईं, लेकिन मामला जल्द शांत हो गया। शहर के मतदाताओं ने वोटिंग के प्रति रुचि कम दिखाई, जबकि धारूहेड़ा कस्बे में मतदान के प्रति जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। शहर में 64.8 प्रतिशत और धारूहेड़ा में 72.4 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का इस्तेमाल किया। दोनों निकाय में चेयरमैन पद के लिए 6-6 और 50 वार्ड पार्षदों के लिए 217 प्रत्याशियों के भाग्य ईवीएम में बंद हो गए। मतगणना का कार्य 13 मई को होगा।

दोनों निकाय में चुनाव कराने के लिए मतदान सुबह 8 बजे शुरू हो गया था। शहर के बूथ नं. 64 पर ईवीएम में तकनीकी खराबी के कारण मतदान शुरू होने में कुछ देरी हुई, लेकिन मतदान अधिकारियों ने तुरंत मशीन को ठीक कर दिया। सुबह के समय नगर परिषद और उसके सामने सीनियर सैकेंडरी स्कूल में बनाए गए बूथों पर मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। हिंदू स्कूल और सेक्टर-4 के बूथों पर सुबह के समय मतदाताओं की संख्या काफी कम देखने को मिली। कई बूथों पर तो मतदान शुरू होने के बाद चुनाव अधिकारी एक-एक मतदाता के आने का इंतजार करते रहे। सुबह के पहले दो घंटों के दौरान नगर परिषद क्षेत्र में महज 11.7 प्रतिशत तक ही मतदान हुआ था। इस अवधि तक लगभग साढ़े 13 हजार मतदाताओं ने वोटिंग की। इसके विपरीत धारूहेड़ा नगर पालिका क्षेत्र के 17.6 प्रतिशत मतदाता पहले दो घंटे में अपने मत का प्रयोग कर चुके थे। दिन बढ़ने के साथ ही मतदान प्रतिशत में वृद्धि दर्ज की जाने लगी। शहर के प्रमुख प्रत्याशियों के पसीने कम मतदान प्रतिशत ने छुड़ाने शुरू कर दिए। प्रत्याशी और उनके समर्थक अधिक से अधिक मतदाताओं को बूथों तक पहुंचाने की कवायद में जुटे रहे। शाम को 4 बजे तक शहर में मतदान प्रतिशत 53.7 और धारूहेड़ा में 63.5 प्रतिशत रहा।

रेवाड़ी। वार्ड नंबर-12 के बूथ पर वोटर कार्ड दिखाती महिला मतदाता। फोटो : हरिभूमि

बुजुर्गों व दिव्यांगों को व्हील चेयर सुविधा

शहरी निकाय चुनाव को लेकर मतदान केंद्रों पर बुजुर्गों व विकलांगों की सुविधा के लिए पर्याप्त मात्रा में वॉलेंटियर भी लगाए गए तथा व्हील चेयर की भी व्यवस्था की गई। वॉलेंटियर्स ने बुजुर्ग व विकलांग मतदाताओं को व्हील चेयर पर बूथ तक पहुंचाया तथा वोट डालने के बाद वापस बाहर छोड़ा। बुजुर्ग व दिव्यांगों के साथ परिवार के लोगों ने भी वोट डाला। अनाजमंडी मार्केट कमेटी के बूथ पर 80 वर्षीय बुजुर्ग प्रेमलता ने व्हील चेयर पर जाकर वोट डाला वही गवर्नमेंट ब्वायज के मतदान केंद्र पर 75 वर्षीय महिला बिमला ने भी परिवार के साथ व्हील चेयर पर जाकर मतदान किया। धारूहेड़ा में नगर पालिका के चुनाव में 90 वर्षीय विद्या देवी ने अपने पोते के साथ नंदरामपुर बास रोड पर बने मतदान केंद्र पर वोट डाला।

मुस्तैद रहे प्रशासनिक अधिकारी

मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस विभाग की ओर से व्यापक प्रबंधन किए गए थे। मतदान केंद्रों के बाहर बेरिकेड्स लगाकर बाहरी लोगों को आवागमन बंद किया हुआ था। मतदान शुरू होने के बाद डीसी अभिषेक मीणा और एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा दोनों मतदान केंद्रों का जायजा लेने के लिए मैदान में उतरे। दोनों अधिकारियों ने शहर और धारूहेड़ा के मतदान केंद्रों का दौरा करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

दोपहर बाद वोटरों ने बचाई लाज

शहर के मतदाताओं ने दोपहर बाद ही मतदान में रूचि दिखाना शुरू किया। शाम को 3 बजे मतदान प्रतिशत बढ़कर 43.6 पर पहुंच गया। इस अवधि तक शहर के 50501 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। धारूहेड़ा में शाम 3 बजे तक 51.6 प्रतिशत मतदाता वोट डाल चुके थे। मतदान खत्म होने से ठीक पहले कई बूथों पर मतदाताओं की संख्या बढ़ गई। उन्हें वोटिंग के लिए लाइन में इंतजार करना पड़ा।

रेवाड़ी। हिंदू स्कूल के बूथ पर वोट डालने पहुंचे मतदाता। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। नगर परिषद के बूथ एरिये में की गई बेरिकेडिंग। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। मतदान करने के बाद स्याही दिखाते हुए वोटर। फोटो : हरिभूमि

दोपहर बाद तक भी गति रही धीमी

धारूहेड़ा कस्बे की तुलना में शहर में मतदान की गति दोपहर बाद भी ज्यादा तेज नहीं हो सकी। दोपहर 2 बजे तक धारूहेड़ा कस्बे के 53.5 प्रतिशत मतदाता वोट डाल चुके थे, जबकि रेवाड़ी शहर में 28.6 प्रतिशत मतदाताओं ने ही वोट डाले थे। धारूहेड़ा में मतदाओं की संख्या शहर से कई गुणा कम होने के बावजूद वोटिंग में रूचि ज्यादा रही। चेयरमैन से लेकर वार्ड प्रत्याशियों तक को मतदाताओं को घर से निकालकर बूथ तक पहुंचाने में कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा।

बूथों के अंदर नहीं जाने दिए एजेंट

पोलिंग पार्टियों ने कई बूथों पर एजेंटों को मतदान कक्ष के अंदर जाने से मना कर दिया। इससे कई बूथों पर एजेंट पोलिंग पार्टियों से उलझ भी गए। इन बूथों पर एजेंटों को मतदान कक्ष के बाहर ही बैठाने की व्यवस्था की। कई बूथों पर तो मीडियाकर्मियों तक को प्रवेश से रोका गया। बूथों के बाहर पंखों तक की व्यवस्था नहीं थी, जिससे एजेंटों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद ही उन्हें बूथों तक जाने की इजाजत दी गई।

जिले का मतदान प्रतिशत गिरा

2020 के नगर परिषद चुनाव में रेवाड़ी जिले का ओवरऑल मतदान प्रतिशत 69.2 रहा था, जोकि इस बार 4.4 प्रतिशत कम होकर 64.8 पर आ गया है। वही धारूहेड़ा नगर पालिका में पिछली बार धारूहेड़ा मतदान प्रतिशत 73.78 रहा, जबकि इस बार के चुनाव में घटकर 72.4 रह गया। नगर परिषद चुनाव में 115776 मतदाताओं में से 75003 और धारूहेड़ा नपा में 24557 मतदाताओं में से 17780 ने अपने मत का प्रयोग किया।

रेवाड़ी। धारूहेड़ा में वोट डालने के बाद 90 वर्षीय विद्या देवी। फोटो : हरिभूमि

कल से फिर बदलाव आने की संभावना, तापमान में जल्द गिरावट के आसार नहीं

तापमान में वृद्धि, हीटवेव की ओर बढ़ने लगा मौसम का मिजाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

तापमान में लगातार पांच दिन से वृद्धि दर्ज की जा रही है। गर्मी का असर बढ़ना शुरू हो गया है। दिन के समय गर्मी जमकर पसीना छुड़ा रही है। रात का तापमान भी बढ़ना शुरू हो गया है। 12 मई को एक बार फिर से मौसम में बदलाव आ सकता है, लेकिन तापमान में वृद्धि का सिलसिला बना रहेगा।

तेज हवाओं के साथ बादल छाने और बूंदाबांदी होने का सिलसिला एक सप्ताह से चल रहा है, लेकिन दो दिन से बूंदाबांदी बंद हो गई है। दिन का तापमान लगातार पांच दिन से बढ़ रहा है। रविवार को अधिकतम तापमान 1.1 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 38.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री की वृद्धि के साथ 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 30 प्रतिशत तक रहा, जबकि दिन के समय 14 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। दिन का तापमान बीते बुधवार से बढ़ना शुरू हुआ था, जो लगातार वृद्धि की ओर अग्रसर है। गत वर्ष की तुलना में तापमान अधिक बना हुआ है। बीते वर्ष 10 मई को अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री और न्यूनतम 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इससे पूर्व अप्रैल माह के अंत में दिन का तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। लू के प्रकोप ने तीन दिन तक लोगों को जमकर परेशान किया था। बाद में आंधी के साथ बारिश आते ही पारा गिरकर 30.0 डिग्री तक चला गया था। मौसम ठंडा होने से लोगों को राहत मिली रही है, जिससे लोगों को भारी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

रेवाड़ी। रविवार को गर्मी के कारण सूना पड़ा सरकुलर रोड। फोटो : हरिभूमि

पश्चिमी विक्षोभ हो रहे प्रभावी

मौसम विभाग के अनुसार एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिल रहा है। विक्षोभ की सक्रियता के चलते मंगलवार को एक बार फिर बादल छा सकते हैं। बादलों के बीच बूंदाबांदी भी हो सकती है। तेज हवाएं चलने का सिलसिला लगातार चलेगा। तापमान में अभी और वृद्धि होने की संभावना है। माह के दूसरे पखवाड़े में तापमान बढ़ने से लोगों को एक बार फिर लू के प्रकोप का सामना करना पड़ सकता है।

100 के पार पहुंच गया एक्यूआई

मौसम में बदलाव के बाद प्रदूषण का संकट एक बार फिर से बढ़ना शुरू हो गया है। रविवार को धारूहेड़ा का एक्यूआई 121 दर्ज किया गया। मौसम शुष्क रहने के कारण हवाओं के साथ उड़ती धूल एक्यूआई और बढ़ा सकती है। गर्मी ने बिजली की खपत में भी वृद्धि करना शुरू कर दिया है। बिजली की दैनिक खपत 85 लाख यूनिट तक पहुंच गई है। तापमान बढ़ने के कारण इसमें आने वाले दिनों में और वृद्धि होने की संभावना है।

कोसली क्षेत्र के गांव से महिला लापता

कोसली। क्षेत्र के गांव से एक महिला बिना किसी को कुछ बताए घर से लापता हो गई। महिला के पति ने पत्नी की गुमशुदगी की शिकायत कोसली थाने में दर्ज कराई है। महिला के पति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह चिनाई की ठेकेदारी करता है। रोजाना सुबह अपने चिनाई के काम पर चला जाता है। 24 अप्रैल को उसकी पत्नी बिना बताए घर से चली गई। उन्होंने अपने स्तर पर सभी रिस्तेदारी में पता किया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया। पति ने उनकी पत्नी को एक युवक पर ले जाने का संदेह जताया है। पुलिस ने शनिवार को महिला की गुमशुदगी का मामला दर्ज किया है।

- पुलिस ने महिला की गुमशुदगी का मामला दर्ज किया

खोखरा कोट

रोहतक शहर के मध्य बसे खोखरा कोट का इतिहास शताब्दियों पुराना है। खुदाई के दौरान यहां से 350 ई. पूर्व के प्राचीन अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को देखते हुए पुरातत्व विभाग ने इसे अपने अधीन ले रखा है। इतिहासकार बताते हैं कि योधेयों के नगर रहे खोखरा कोट में राजप्रणाली प्रजातंत्र की होती थी। इसका अंतिम शासक खोखर गोत्र का व्यक्ति था, जिसकी वजह से इसका नाम खोखरा कोट पड़ा। कोट का अर्थ किला होता है।

रागनियों में लोकाचार और सामाजिक मूल्य

हरियाणवी रागनियां मनोरंजन के साथ-साथ हमें सिखाती हैं कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना है, कैसे संबंधों की पवित्रता को बनाए रखना है और कैसे लोकाचार और सामाजिक मूल्यों का यह समन्वय ही हरियाणवी संस्कृति को विशिष्टता प्रदान करता है।

लोक संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणवी जनमानस की रगों में जो संस्कृति और दर्शन प्रवाहित होता है उसका सबसे मुखर और प्रमाणिक दस्तावेज हैं हरियाणवी रागनी। यह केवल मनोरंजन का साधन मात्र नहीं हैं बल्कि यह उस सामाजिक ताने-बाने, नैतिकता, लोक-व्यवहार और जीवन-दर्शन का निचोड़ हैं जिसे सदियों से हरियाणा के ग्रामीण आंचल ने जिया है।

जब हम हरियाणवी रागनियों में लोकाचार और सामाजिक मूल्य का अध्ययन करते हैं तो पाते हैं कि हरियाणवी लोक-कवियों और सांगी कलाकारों ने समाज के हर सूक्ष्म पहलू को अपनी लेखनी से छुआ है। चाहे वह मित्रता की मर्यादा हो, गरीबी का दंश हो, भक्ति का मार्ग हो या पारिवारिक रिश्तों की कड़वाहट और मिठास। लोकाचार का अर्थ है, वह व्यवहार जो समाज में प्रचलित हो और जिसे नैतिकता की कसौटी पर परखा गया हो। हरियाणा की माटी के इन लोक-कवियों ने अपनी रागनियों के माध्यम से समाज को आईना दिखाने का काम किया है। इन रचनाकारों ने ग्रामीण परिवेश की शब्दावली में उन गूढ़ रहस्यों को प्रकट किया है, जिन्हें समझने के लिए बड़े-बड़े ग्रंथों की आवश्यकता पड़ती है। लोकाचार में सत्य की महिमा सर्वोपरि है, लेकिन सत्य का मार्ग कितना कठिन है और मानवीय स्वभाव में अविश्वास की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका सजीव चित्रण बाजे भगत की लेखनी में मिलता है।

साची बात कहण म्हं सखी होया करै तकरार
दगाबाज बेरहम बहन ना मरदां का इतवार
धन माया के बारे म्हं किसे बिरले तै दिल डाट्या जा सै
जो तनै दे दिया राज दान म्हं, मेरे तै के नाट्या जा सै

यहां कवि ने न केवल सामाजिक तकरार की बात की है, बल्कि बिरले व्यक्तियों के माध्यम से उस ऊंचे चरित्र की ओर संकेत किया है जो मोह-माया से मुक्त है। सामाजिक मूल्यों में वचन और दान की महत्ता को बाजे भगत सर्वोपरि मानते हैं।

समाज में आर्थिक स्थिति और मानवीय संबंधों के अंतर्संबंधों पर जब हम विचार करते हैं, तो पं. मांगे राम का दर्शन एक कठोर सत्य बनकर उभरता है। हरियाणा के लोक साहित्य में दरिद्रता को केवल भौतिक अभाव नहीं माना गया, बल्कि इसे समस्त दुखों की जननी और रिश्तों के बिखराव का कारण बताया गया है। मांगे राम के शब्दों में लोकाचार का यह पक्ष अत्यंत मर्मस्पर्शी है :

टोट्टे आळे माणस का पिया नहीं किसे संग प्यार रहै
मां का जाया दुश्मन बणज्या हरदम खाए खार रहै
बोल में बोल मिलै ना किसे का न्यू घर म्हं तकरार रहै
काम म्हं बरकत कती नहीं जब धुर तै पाटी सार रहै

लोककवि मांगे राम यहां गरीबी के उस मनोविज्ञान को पकड़ रहे हैं, जहां अभाव में मनुष्य का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और सगे भाई-बंधु भी दूरी बना लेते हैं। यह लोकाचार का वह यथार्थवादी पक्ष है जो समाज को आर्थिक रूप से सशक्त होने और स्वाभिमान के साथ जीने की प्रेरणा देता है। वे सामाजिक मूल्य के रूप में आत्मसम्मान को जीवन से भी ऊंचा स्थान देते हैं।

धर्म और पाखंड के बीच की महीन रेखा को समझना भी लोकाचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुंशी राम जांडली उन ढोंगी लोगों पर प्रहार करते हैं जो केवल शब्दों का जाल बुनकर समाज को गुमराह करते हैं। उनकी दृष्टि में दिखावटी ग्रंथ रचना की अपेक्षा लोक-कल्याण ही वास्तविक धर्म है :

घरां बैठ के ग्रंथ बणा ले झूठ चलावण लागे
जीभ चटोरे ऊत लुटेरे जाल फैलावण लागे

इस कटाक्ष के समानांतर जब हम मेहर सिंह की रचना को देखते हैं, तो हमें धर्म का वास्तविक और सकारात्मक पक्ष दिखाई देता है। मेहर सिंह के अनुसार धर्म कोई बंधन नहीं, बल्कि वह प्रकाश है जो मनुष्य के भीतर के अंधकार को मिटाता है :

नजर फला के देख लिए नित पेड़ धर्म का फलता है
सत का तेल घलै दीपक मैं तो ज्ञान उजाला जलता है
धर्म के फंदे मैं फंस कै मन नहीं हिलाया हिलता है
अच्छी शोभत वाले को पिया अच्छा ही फल मिलता है

मेहर सिंह यहां संदेश देना चाहते हैं कि सत यानी सत्य का आचरण ही वह तेल है जिससे ज्ञान का दीपक प्रज्ज्वलित रह सकता है।

मानवीय स्वभाव की कोमलता और अटूट विश्वास की बात करते हुए रामकिशन व्यास ने जो उदाहरण दिए हैं, वे लोक-बुद्धि की पराकाष्ठा हैं। वे समझाते हैं कि कुछ चीजें जीवन में इतनी नाजुक होती हैं कि एक बार की लापरवाही उन्हें सदैव के लिए नष्ट कर सकती है :

मन मौती और दुध बताया इनका एक सुभा से
पाटे पिछे फेर मिले ना यो कुदरत का न्या सै

यह उपमा लोकाचार की उस मर्यादा को स्थापित करती है, जहां व्यक्ति को अपने शब्दों और आचरण के प्रति अत्यंत सजग रहना चाहिए। मन का फटना समाज में अविश्वास की खाई पैदा करता है जिसे फिर कभी भरा नहीं जा सकता। यहां विश्वास को सबसे बड़े सामाजिक मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है।

पंडित लखमीचंद, जिन्हें हरियाणा का सूर्य कवि कहा जाता है, उन्होंने मित्रता की आड़ में छिपे पाखंड और स्वार्थ को अत्यंत स्पष्टता के साथ चित्रित किया है। उनकी दृष्टि में मित्रता एक तपस्या है, लेकिन कलयुगी समाज में इसे केवल स्वार्थ सिद्धि का साधन बना लिया गया है :

नई-नई यारी लागै प्यारी दोष पाछले ढक ले
मतलब खात्यर यार बणें फेर थोड़े दिन में छिक ले
नहीं जाणते फर्ज यार का पाप पंक में पक ले
कैं तैं खाज्यां धन यार का ना बाहण बहू नै तक ले
करें बहाना यारी का इसे यार बणे हांडै सैं

लखमीचंद की यह चेतावनी समाज के नैतिक पतन की ओर इशारा करती है। वे उन मर्यादाओं की याद दिलाते हैं, जहां मित्र के परिवार को अपना परिवार समझा जाता था। यहां शुद्ध आचरण और निःस्वार्थ प्रेम जैसे सामाजिक मूल्यों पर बल दिया गया है।

विभिन्न लोक-कवियों की कुछ रागनियों के सन्दर्भों के समग्र विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन मात्र नहीं है, बल्कि यह मानवीय जीवन को सुसंस्कृत बनाने वाली एक पाठशाला है।

सामाजिक विडंबनाओं और न्याय के अंतर्विरोधों पर हरिकेश पटवारी का चिंतन अत्यंत गहरा है। वे देखते हैं कि समाज अक्सर उन लोगों के प्रति निष्ठुर हो जाता है जो सीधे और सरल होते हैं :

शुद्ध स्वतंत्र संतोषी, महाकष्ट विपत भरते देखे
डूबे सुने तैराक बली, कायर के हाथ मरते देखे
चालबाज बदमाश मलंग से, बड़े-बड़े डरते देखे
शील संत और साधारण का, सब मखौल करते देखे

पटवारी जी इस रचना के माध्यम से उस कड़वी हकीकत को बयां करते हैं, जहां सज्जनता को कमजोरी का पर्याय मान लिया जाता है। लोकाचार का यह पक्ष हमें सोचने पर विवश करता है कि क्या हम वास्तव में गुणों का सम्मान करने वाला समाज बना पाए हैं?

पारिवारिक नैतिकता और माता-पिता के प्रति कर्तव्यों की जब बात आती है, तो ज्ञानी राम शास्त्री की रागनी एक कालजयी उपदेश बन जाती है। वे उस पाखंड को जड़ से मिटाने की बात करते हैं जो जीवित अवस्था में तिरस्कार और मृत्यु के पश्चात सम्मान का प्रदर्शन करता है:

मात पिता के मरे बाद आंसू टपकाकै के होगा
जिन्दें जी जूते मारे फेर फूल चढ़ाकै के होगा
कहणा मन्या नहीं कदे फेर तिलक लगणा ठीक नहीं
छुए कोन्या पैर कदे फेर शीश झुकाणा ठीक नहीं

यह रचना हरियाणा के उन मूल संस्कारों का प्रतिनिधित्व करती है, जहां पितृभक्ति को ही सबसे बड़ा तीर्थ माना गया है। लोकाचार का यह अनिवार्य हिस्सा है कि व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहे, न कि कर्मकांडों के पीछे भागे। यह सामाजिक मूल्यों की आधारशिला है।

अंत में, विद्या और ज्ञान के अर्जन के लिए आवश्यक अनुशासन और विनम्रता पर निहाल चंद निहाल का दर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे स्पष्ट करते हैं कि ज्ञान कोई स्थिर वस्तु नहीं है, बल्कि यह निरंतर अभ्यास की मांग करता है :

मुख पै करूं सराहना इसकी, विद्या का नहीं ध्यान धरै।
ऐसी बुद्धि हो ज्यागी जैसे, बिन मांजी तलवार जरै।
बिना घमण्ड अभ्यास करे तै, विद्या का भण्डार भरै।
ऋषि मुनि कहते आवैं, अभिमान ज्ञान का नाश करै।

निहाल चंद निहाल की यह पंक्तियां समझाती हैं कि बुद्धि और विद्या को निरंतर मांजना पड़ता है, अन्यथा वे जंग लगी तलवार की तरह निष्प्रभावी हो जाती हैं। यहां विनम्रता और निरंतरता को बौद्धिक सामाजिक मूल्य के रूप में स्थापित किया गया है। विभिन्न लोक-कवियों की कुछ रागनियों के सन्दर्भों के समग्र विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन मात्र नहीं है, बल्कि यह मानवीय जीवन को सुसंस्कृत बनाने वाली एक पाठशाला है। भिन्न-भिन्न कालखंड में बाजे भगत से लेकर निहाल चंद निहाल जैसे सभी लोक-कवियों ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को एक नैतिक दिशा देने का प्रयास किया है।

हरियाणवी रागनियां मनोरंजन के साथ-साथ हमें सिखाती हैं कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना है, कैसे संबंधों की पवित्रता को बनाए रखना है और कैसे लोकाचार और सामाजिक मूल्यों का यह समन्वय ही हरियाणवी संस्कृति को विशिष्टता प्रदान करता है। जब तक ये स्वर गूंजते रहेंगे, समाज में नैतिकता और मानवीय मूल्यों की रक्षा होती रहेगी। यह आलेख इन महान लोक-कवियों की उस दूरदर्शिता को समर्पित है जिन्होंने लोक-भाषा में जीवन के गूढ़ रहस्यों को पिरोकर हमें सौंप दिया है ताकि हम अपनी जड़ों से जुड़े रह सकें और एक न्यायप्रिय व सुसंस्कृत समाज का निर्माण कर सकें।

रागिनी | शकुन्तला काजल 'शकुन'

दिल मैं वतन समाज्यागा

भारत की सेवा की जिस दिन, जन-जन कसम उठाज्यागा,
दुनिया के म्हाँ देश हमारा..सब तैं आगै आज्यागा..।

देशद्रोही और आतंकी, घणी कर चुके हैं नौटंकी!
मारे जां ये सारे सनकी दुश्मन भी भय खाज्यागा।
दुनिया के म्हाँ.........।

जात-पात न भाषा देखो, न धर्म के नाम तमाशा देखो !
देशप्रेम रस पी कै देखो-दिल म्हँ वतन समाज्यागा..
दुनिया के म्हाँ.............।

हीरे-मोती से अपणे टाबर, [redacted]-छोरी एक बराबर!
देवां संस्कार पावाँगे आदर मजा रै जीणै का आज्यागा...
दुनिया के म्हाँ........।

योग कर्म जग करणे लगज्या, हर घर की तस्वीर संवरज्या !
जग म्हँ विश्व गुरु का दर्जा-हट कै भारत पाज्यागा..
दुनिया के म्हाँ.........।

नवाचार की अलख जगावाँ, नवभारत निर्माण करावाँ!
जन-गन-मन सब मिल कै गावाँ-राष्ट्र ध्वज इतराज्यागा..!
दुनिया के म्हाँ देश हमारा सब तैं आगै आज्यागा. ..!!!

रागिनी | त्रिलोक चंद फतेहपुरी

नुगरे नाग

देश मैं पळ रहे नुगरे नाग।
मार रहे फुंकाड़ वो जालिम उगल रहे हैं आग।

कुछ काळै कुछ चितकबरें से
पिवण साँप की ज्यूँ बिफरे से
कुंडली मार के बैठे हैं कई
इधर-उधर को बिखरे से
निर्दोषों कै डंक मार कै, फोड़ रहे हैं भाग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कई लांबे, कई मोटे-मोटे
नोंच-नोंच कै खावै बोटें
चादर ओढ़े भळ मणसी की
मन के उजले कर्म हैं खोटे
उनकी चालबाजियों से ही, उजड़े कई सुहाग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कई पिलपिले मगर हठीले
लांबी पूँछ अर दाँत नुकीले
मार - मार फण कर दें बेदम
वे बेरहम बड़े जहरीले
जहर उगल कर बुझा रहे हैं, जलते हुए चिराग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कुछ फणधारी कुछ मणीधारी
धन बल, छल बल के भंडारी
बदल - बदल कर अपणी केंचुली
लूट रहे हैं दौलत म्हारी
कर ले बंद पिटारी में उन्हें, ओ त्रिलोकी जाग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पहनावा | **कला और सौंदर्य के गहरे पारखी थे हमारे पूर्वज, प्रदेश की अमूल्य विरासत के संरक्षण की शिद्दत से दरकार**

आभूषणों में सिमटी गौरवशाली हरियाणवी विरासत

श्रृंगार | सरिता

हरियाणा की पावन धरा अपनी वीरता और कृषि प्रधान संस्कृति के साथ-साथ अपने अद्वितीय पहनावे और आभूषणों के लिए भी सारी दुनिया में एक विशेष पहचान रखती है।

यहां की माटी का सोंधापन यहां की महिलाओं के आभूषणों में भी झलकता है। हरियाणवी आभूषण केवल स्वर्ण या रजत के निर्जीव टुकड़े न होकर हरियाणवी लोक-जीवन, रीति-रिवाजों और पूर्वजों की कलात्मक सोच का जीवंत साक्ष्य हैं। यदि हम हरियाणवी देहात के पुराने संदूकों की धूल झाड़कर उन्हें खोलें, तो उनमें से ऐसी शिल्पकारी निकलती है जो आज के दौर के आधुनिकतम ज्वेलरी डिजाइनों को भी मात देने की क्षमता रखती है। यह आभूषण यहां की नारी के स्वाभिमान, उसके सुहाग की लंबी आयु और परिवार की संपन्नता के मौन उद्घोषक रहे हैं। हरियाणवी महिला के श्रृंगार की यात्रा मस्तक से आरंभ होकर पैरों की उंगलियों तक एक शास्त्रीय क्रम में चलती है। मस्तक का सबसे गौरवशाली आभूषण बोरला रहा है। लट्टू के आकार का यह गहना सुहाग का प्रतीक होने के साथ-साथ चेहरे को एक विशिष्ट सौम्यता प्रदान करता है। प्राचीन समय में इसके साथ कोड़ी और जूड़ा जैसे आभूषणों का प्रयोग बालों को सहेजने के लिए किया जाता था। माथे पर सुशोभित शीशफूल और विशेष रूप से प्राचीन काल में प्रचलित मुख का छाज चेहरे की आभा को इस प्रकार ढकते और उभारते थे कि देखने वाले को राजसी वैभव का बोध होता था। माथे पर सिंदूरी बिंदी और आंखों में दीये की लौ से पाड़ी गई स्याही यानी काजल

की गहरी धार, ग्रामीण सौंदर्य को एक नया आयाम देती थी। कानों में पहने जाने वाले डाण्डे, बुजनी, और करणफूल न केवल कान की शोभा बढ़ाते थे, बल्कि सोने के बुन्दे और झुमकों की झंकार खेतों में काम करते समय भी एक लयबद्ध मधुरता घोलती थी। नाक में पहनी जाने वाली बड़ी नथ और छोटी लौंग या कोका सुहागिन स्त्री के मुख मंडल पर चमक बिखेरते थे। गले के आभूषणों की बात करें तो यहां की विविधता चकित कर देने वाली है। पुराने समय में हंसली का बहुत महत्व था, जो चांदी का एक ठोस और भारी गोलाकार आभूषण होता था। इसके अतिरिक्त झालरा, जो चांदी के सिक्कों की एक लंबी लड़ी होती थी, ग्रामीण महिलाओं का सबसे प्रिय आभूषण रहा है। यह झालरा छाती पर लहराते हुए एक विशेष प्रकार का संगीत पैदा करता था। हरियाणवी लोकगीतों और रागिनियों में वर्णित गलश्री, जुगनी और कण्ठी जैसे आभूषण नगीनेदार सुंदरता के पर्याय रहे हैं। चम्पा कली की बहार और सीने पर पड्या हुआ जंजीरा चोंकी वाला हार उस समय के सामाजिक रसूख और वैभव को दर्शाता था। मटर माला और गुल्बन्द जैसे आभूषण मखमल के कपड़े पर सोने की टिकियों को जड़कर तैयार किए जाते थे, जो गले से सटे रहकर सौंदर्य को दोगुना कर देते थे।

हाथों और बांहों के श्रृंगार में हरियाणा का कोई सानी नहीं है। यहां बांह के ऊपरी हिस्से पर पहने जाने वाले बाजूबन्द, सितोल और बाजू चौंक जैसे भारी आभूषणों का चलन रहा है। टाड़, जो चांदी का एक अत्यधिक भारी और ठोस कड़ा होता था, महिला के धैर्य और सामर्थ्य का भी प्रतीक था। कलाई पर सजे गजरे, पोंहची, परीबन्द और चूड़ियों का रंग निराला ही होता था। कांगनी और तिरैया जैसे आभूषण हाथों की उंगलियों तक एक प्रवाह बनाते थे। विशेष रूप से आरसी, जो अंगूठे में पहनी जाने वाली एक अंगूठी होती थी और जिसमें एक छोटा दर्पण जड़ा होता था, घूंघट प्रथा के उस दौर में महिला के लिए अपना मुख और पीछे का दृश्य देखने का एक चतुर और सुंदर माध्यम थी। हथफूल की लड़ियां जब हथेली के पीछे सजती थीं, तो वह किसी शिल्पकला के नमूने जैसा प्रतीत होता था। कमर का सबसे महत्वपूर्ण आभूषण तगड़ी है, जिसे करधनी भी कहा जाता है। चांदी की बनी यह भारी तगड़ी जब घाघरे के ऊपर बांधी जाती थी, तो वह शरीर के संतुलन को बनाए रखने के साथ-साथ कमर की सुंदरता को भी उभारती थी। तगड़ी के साथ लटकता तालियों का गुच्छा और चांदी का बाजणा नाड़ा चलते समय एक विशेष धमक पैदा करता था। पैरों के आभूषणों में तो जैसे पूरा लोक-संगीत ही सिमट आता था। चांदी की भारी झांझर, नेवरी और रमझोल की झंकार जब गलियों में गूंजती थी, तो ऐसा लगता था मानो सावन की फुहारें बरस रही हों। पैरों की उंगलियों में सुशोभित बिछुए और चुटी सुहाग का अटूट हिस्सा माने जाते थे।

आधुनिक युग में समय की गति के साथ पहनावे और आभूषणों की पसंद में बड़ा परिवर्तन आया है। मशीनी युग के हल्के आभूषणों ने इन भारी और ठोस हस्तनिर्मित कलाकृतियों की जगह ले ली है। यह समझना अनिवार्य है कि ये आभूषण केवल सजावट की वस्तुएं नहीं हैं, बल्कि ये हमारी सांस्कृतिक पहचान की जड़ें हैं। ये हमें बताते हैं कि हमारे पूर्वज कला और सौंदर्य के कितने गहरे पारखी थे। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी इस अमूल्य विरासत का संरक्षण करें।

सिनेमा बिजनेस नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी : वारिस

कलाकार | डॉ. तबस्सुम जहां

वारिस इब्न फ़ारूक़ मेवात में जन्मे एक फ़िल्म निर्देशक हैं। इनका परिवार तब्लीगी जमात से ताल्लुक रखता है और जिस वातावरण से वे आते हैं, वहां फ़िल्मी दुनिया में जाना सकारात्मक नहीं माना जाता। वारिस का बचपन से ही सिनेमा के प्रति लगाव था।

उन्होंने अपने बड़े भाई से प्रेरित होकर डीवीडी के ज़माने से ही हॉलीवुड की फ़िल्में देखना शुरू किया।

मदरसे में पढ़ाई के साथ-साथ उनका मन सिनेमा की ओर आकर्षित हुआ, लेकिन परिवार की उम्मीदों और डर ने उन्हें इससे दूर रखा। उन्होंने लॉ की पढ़ाई की, लेकिन अंदर से सिनेमा की चाह खत्म नहीं हुई। एक दोस्त के ज़रिये उन्हें एक अवसर मिला और उन्होंने अपने परिवार को बिना बताए सुपवा में एडमिशन लिया और फ़िल्म निर्माण इंडस्ट्री में कदम रखा। धीरे-धीरे उनके परिवार को उनकी गतिविधियों का पता चला, जिससे उनका परिवार बेहद नाराज़ हो गया। वारिस ने अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश जारी रखी। उन्होंने अपनी यात्रा को एक साहसिक कदम के रूप में देखा, जिसमें उन्होंने कई बाधाओं का सामना किया। शुरुआत में उन्हें डायरेक्शन और एडिटिंग का ज्ञान नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने वहां साउंड और सिनेमैटोग्राफी के बारे में सीखा। उन्होंने सुपवा में शॉर्ट फ़िल्म बनाई, जो कुछ

फेस्टिवल्स में पहचानी गई, जिसमें इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित एक फ़िल्म भी शामिल थी। इस प्रक्रिया में उनके परिवार का समर्थन महत्वपूर्ण रहा। वारिस का पहला प्रोजेक्ट 'वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप' इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित था, जिसमें हास्य और संदेश का मिश्रण था। इस प्रोजेक्ट को विभिन्न स्थानों पर मान्यता मिली, जिसमें इटली में एक लाइव इंटरव्यू शामिल था। इसके बाद उन्होंने अन्य फ़िल्मों जैसे 'क़रीन' और 'ज़रक' का निर्माण किया। कॉलेज में उन्हें दो डिग्री फ़िल्म बनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वारिस वर्तमान हरियाणवी सिनेमा पर चर्चा करते हुए बताते हैं कि यह सिनेमा अभी शुरुआती दौर में है, इसलिए इसकी आलोचना करने के बजाए इसे समझने की ज़रूरत है। अब धीरे-धीरे फ़िल्मों में सुधार आ रहा है और "दादा लखमी" जैसी फ़िल्में बेहतर तरीके से बन रही हैं। फिर भी हरियाणा में कम बजट और कलाकारों के शोषण की समस्या है, जिससे उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिलता। इसके बावजूद हरियाणा में काफ़ी प्रतिभा है और भविष्य में सिनेमा के बेहतर होने की उम्मीद है। वारिस ने हरियाणा स्टेज के साथ तीन प्रमुख प्रोजेक्ट्स पर काम किया है—वेब सीरीज़ "मेवात" (लेखक-निर्देशक), फीचर फ़िल्म "अंडा गैंग" (निर्देशक) और डॉक्यूमेंट्री "ऑपरेशन मेवात" (एसोसिएट डायरेक्टर)। उन्होंने यशपाल शर्मा के साथ इंडिपेंडेंट फ़िल्म "रावण" भी बनाई है, जो जल्द ही एक अच्छे प्लेटफ़ॉर्म पर रिलीज़ होने वाली है। इसके अलावा वे डी.डब्ल्यू. न्यूज़ और अल जज़ीरा जैसे अंतरराष्ट्रीय न्यूज़ चैनलों के लिए कई डॉक्यूमेंट्रीज़ बना चुके हैं। उन्हें "मेवात" के लिए बेस्ट डायरेक्टर और "मिराज" व "वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप" जैसी शॉर्ट फ़िल्मों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार मिल चुके हैं। सरकार हरियाणा में जो फ़िल्म पॉलिसी लेकर आई है, उस संदर्भ में वारिस बताते हैं कि यह एक सकारात्मक पहल है, लेकिन स्ट्रगलिंग फ़िल्ममेकर्स के लिए इसमें डायरेक्ट एक्सेस की कमी और नेटवर्क पर निर्भरता साफ़ दिखाई देती है।

वारिस का पहला प्रोजेक्ट 'वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप' इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित था, जिसमें हास्य और संदेश का मिश्रण था। इस प्रोजेक्ट को विभिन्न स्थानों पर मान्यता मिली, जिसमें इटली में एक लाइव इंटरव्यू शामिल था।

इसका लंबा और औपचारिक प्रोसेस समय और संसाधन दोनों की मांग करता है, जिससे काम की गति धीमी हो जाती है। इस पर निर्भर रहने के बजाय प्रोड्यूसर्स के साथ काम करना ज़्यादा व्यावहारिक और प्रभावी विकल्प है।

इनका मानना है कि आजकल रियलिटी और सामाजिक मुद्दों पर अधिक फ़िल्में बन रही हैं, लेकिन सामाजिक मुद्दों पर फ़िल्में बनाते समय बायस के कारण संतुलन खो जाता है और वे प्रोपेगेंडा जैसी लगने लगती हैं, जबकि सिनेमा में ज़िम्मेदारी और बैलेंस बेहद ज़रूरी है। उन्होंने बताया, "और सच कहूँ तो मैं खुद भी अभी तक वैसी फ़िल्म नहीं बना पाया हूं, जिस पर गर्व कर सकूं।" उनके शब्दों में-'दादा लखमी' जैसी फ़िल्में न केवल मनोरंजन करती हैं, बल्कि संस्कृति और विरासत को ईमानदारी से सामने लाकर इंडस्ट्री को नई दिशा देने की क्षमता रखती हैं।' नए लोगों के बारे में वारिस का कहना है कि सिनेमा सिर्फ़ बिज़नेस नहीं, बल्कि एक सामाजिक ज़िम्मेदारी है, इसलिए जो भी बनाओ, उसे पूरी ईमानदारी और समझदारी के साथ बनाओ।

योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा को जन-जन तक पहुंचाने की योजना तैयार

डॉ. नितिन योगाचार्य बने पतंजलि भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

योग गुरु बाबा रामदेव की जन्मभूमि महेंद्रगढ़ जिले में योग व आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार को नई गति देने के लिए डॉ. नितिन योगाचार्य को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। पतंजलि विश्वविद्यालय से शिक्षित डॉ. नितिन योगाचार्य को पतंजलि भारत स्वाभिमान ट्रस्ट का नया जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। रविवार को आरोग्य वैलनेस सेंटर में पतंजलि परिवार महेंद्रगढ़ के जिला स्तरीय पदाधिकारियों के चयन हेतु बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के हरियाणा राज्य प्रभारी ईश आर्य उपस्थित रहे। वहीं रेवाड़ी से आए रामनिवास बेनीवाल ने पर्यवेक्षक की भूमिका निभाई। बैठक में आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर गहन चर्चा की गई और योग-आयुर्वेद प्राकृतिक चिकित्सा तथा अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को जन-जन तक पहुंचाने की योजना तैयार की गई। सर्वसम्मति से नई समिति का गठन करते हुए डॉ. नितिन यादव योगाचार्य को जिला प्रभारी का दायित्व सौंपा गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ईश आर्य, रामनिवास बेनीवाल व पूर्व जिला प्रभारी निलेश मुद्गल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को पटका पहनाकर सम्मानित किया। नवनियुक्त जिला प्रभारी डॉ. नितिन योगाचार्य ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे। उनका लक्ष्य पूरे जिले में बाबा रामदेव के योग संदेश की अलख जगाना और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के दौरान स्लम टैलेंट एरिया से हन्नी गुप्ता व रीना को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

नारनौल। योगाचार्य डॉ. नितिन को बधाई देते हुए। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस गौरवशाली अवसर पर पतंजलि योग समिति प्रभारी जुगबीर, दयाराम रेवाड़ी, टाईगर क्लब से राकेश, सीपी संघी, ओमप्रकाश, रतन, अशोक, डॉ. भंवर सिंह कसाना, डॉ. धर्मवीर यादव, संदीप सलूनी, योगिनी जैस्मीन सरोज देवी आदि मौजूद रहे।

सरकारी कॉलेजों में योग की पढ़ाई नहीं : डॉ. धर्मवीर

नारनौल। पूरी दुनिया को योग की शक्ति से परिचित कराने वाले वैश्विक योग गुरु स्वामी रामदेव की जन्मभूमि के छात्र ही आज योग की उच्च शिक्षा के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। विडंबना यह है कि जिस माटी ने योग की अलख पूरी दुनिया में जगाई, वहां के सरकारी महाविद्यालयों में योग का एक भी डिग्री या डिप्लोमा कोर्स उपलब्ध नहीं है। नारनौल व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के मेधावी, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए योग में करियर बनाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। यह बात डॉ. धर्मवीर योगाचार्य ने कही। उन्होंने कहा कि जिले के किसी भी सरकारी कॉलेज में बीए, बीएससी, एमए, एमएससी (योगा) या डिप्लोमा की सुविधा न होने के कारण विद्यार्थियों को ऋषिकेश, हरिद्वार या अन्य दूरदराज के राज्यों का रुख करना पड़ता है। बाहर रहकर पढ़ाई करने का खर्च उठाना हर किसी के बस की बात नहीं है, जिससे कई होनहार बच्चे इस क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। जिले के कुछ निजी कॉलेजों में योग स्नातक की पढ़ाई तो होती है, लेकिन उनकी फीस सामान्य विद्यार्थियों की पहुंच से बाहर है। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि जिले के सरकारी महाविद्यालयों में अभी तक योग की पढ़ाई के लिए न तो पद सृजित किए गए हैं और न ही किसी स्थायी शिक्षक की नियुक्ति हुई है। स्थानीय लोगों व युवाओं का कहना है कि यदि सरकारी कॉलेजों में योग के विषय शुरू किए जाएं, तो युवाओं के लिए स्वरोजगार और स्वास्थ्य क्षेत्र में करियर के नए द्वार खुलेंगे। इससे योग शिक्षक, योग थेरेपिस्ट व स्पोर्ट्स कोच के रूप में युवाओं को रोजगार मिलेगा। क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों व योग प्रेमियों ने सरकार व उच्च शिक्षा विभाग से मांग की है कि आगामी शैक्षणिक सत्र से राजकीय महाविद्यालयों में योग के स्नातक व स्नातकोत्तर कोर्स शुरू किए जाएं।

खबर संक्षेप

पुरानी मंडी में गूंजे राधे नाम के जयकारे

नारनौल। प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 194वीं प्रभात फेरी पुरानी मंडी नजदीक जलमहल से निकाली गई। सर्वप्रथम मुख्य यजमान मनमोहन शर्मा, सुरेश शर्मा परिवार के सभी सदस्यों ने पवित्र ज्योति प्रज्ज्वलित की। संगठन के कोषध्यक्ष संजय सैनी ने बताया कि प्रभात फेरी संगठन की ओर से राधा नाम संकीर्तन यात्रा मुख्य यजमान के निवास स्थान से शुभारम्भ होकर जलमहल, पुरानी मंडी के विभिन्न मार्गो से होकर मुख्य यजमान के निवास पर संपन्न हुई।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर आज भव्य कलश यात्रा

नारनौल। श्री सोमनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा के 75 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 11 मई को मनाए जाने वाले सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सभी प्रकार की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने रविवार को तैयारियों का जायजा लिया। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगी। वहीं विधायक ओमप्रकाश यादव व महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। महोत्सव की शुरूआत 11 मई को श्री गोपाल गोशाला के सामने स्थित श्री श्याम मंदिर से होगा।

नई सीवर लाइन डाली गई पर समस्या जस की तस

श्रद्धालुओं की आस्था से हो रहा खिलवाड़ हनुमान मंदिर के पास छलक रहा सीवर

रेवाड़ी। हनुमान मंदिर के बाहर एकत्रित सीवर का दूषित पानी। फोटो: हरिभूमि

मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को होती है परेशानी, शिकायत की हो रही अनदेखी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

बड़ा तालाब हनुमान मंदिर के पास लंबे समय से चली आ रही सीवर छलकने की समस्या को डा. घनश्याम मित्तल ने शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल के समक्ष ग्रीवेंस मीटिंग में उठाया, तो नगर परिषद ने नई सीवर लाइन डाल दी। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। हनुमान मंदिर के सामने नई सीवर लाइन से भी दूषित पानी छलककर बाहर आ रहा है, जिससे श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंच रही है। इस प्राचीन मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु माथा टेकने के लिए आते हैं। मंदिर के पास से गुजर रही सीवर लाइन का पानी मंदिर के सामने एकत्रित हो जाता है। पहले पुरानी लाइन का बहाना बनाकर समस्या को अनदेखा कर दिया जाता था, लेकिन मंत्री विपुल गोयल के आदेश पर नई लाइन डाल दी गई थी। इसके बाद भी सीवर लाइन का पानी मंदिर के ठीक सामने एकत्रित होने से श्रद्धालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डा. मित्तल ने बताया कि नई सीवर लाइन डालने में भी अनियमितताएं बरती गई हैं, जिससे दूषित पानी मंदिर के बाहर एकत्रित हो जाता है।

नगर परिषद प्रशासन से समाधान की मांग

विजय कुमार, दिनेश शर्मा, हरिओम, महीपाल व रतिराम आदि ने बताया कि मंदिर में मंगलवार और शनिवार के दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। दूषित पानी एकत्रित होने के कारण उन्हें इसी पानी से गुजरने के बाद मंदिर में जाना पड़ता है। इससे श्रद्धालु परेशान हो जाते हैं। इन लोगों ने नगर परिषद प्रशासन से समस्या के तुरंत समाधान की मांग की है।

रेवाड़ी। रेलवे स्टेशन पर श्रृद्धांजलि अर्पित करते कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

स्टेशन मास्टर के हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग

- सिवानी स्टेशन पर ऑन ड्यूटी स्टेशन मास्टर रामरतन यादव पर हुआ था हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

सिवानी स्टेशन पर ऑन ड्यूटी स्टेशन मास्टर रामरतन यादव पर आपराधिक तत्वों की ओर से प्राणघातक हमला कर हत्या किए जाने पर नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्प्लॉयज यूनियन की ओर से रेलवे स्टेशन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रशासन से दोषियों की गिरफ्तारी एवं रेल कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। इस मौके पर नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्प्लॉयज यूनियन के सहायक मंडल मंत्री बीकानेर देवेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि 8 से 10 हमलावरों ने सिवानी स्टेशन पर कार्यरत रामरतन यादव पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। लंबे संघर्ष के बाद एक निजी अस्पताल में उन्होंने दम तोड़ दिया। देवेंद्र यादव ने कहा कि रामरतन यादव एक कर्तव्यनिष्ठ, एवं मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे। ऑन ड्यूटी रेल कर्मचारी पर इस कायरतापूर्ण हमले से समस्त रेल परिवार में भारी रोष एवं शोक है और कर्मचारी असुरक्षित ग्रस्त होते जा रहे है। उन्होंने राम रतन यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बताया कि रेल सुरक्षा तभी सुरक्षित रह पाएगी जब कर्मचारी सुरक्षित रहेगा। यादव ने इस जघन्य घटना की कड़े शब्दों में निंदा की तथा प्रशासन से दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की। शोक सभा में रेलवे विभाग के समस्त कैटिगिरी के कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मुकेश यादव शाखा अध्यक्ष रेवाड़ी जयपुर मंडल, युधिष्टर यादव, कुलदीप यादव, संजय यादव, प्रसादी लाल मीना, हीरालाल, लोकेश कुमार मीना, जीएल मीना, परीक्षित यादव, बसंत कुमार, सीताराम मीना, जितेन्द्र यादव, अमित यादव, बजरंग सिंह, लोकराज, दिलीप सिंह, श्रवण कुमार, रामसिंह, सतीश, नीरज यादव, मुकेश, राकेश, सुरेन्द्र, राजू मेहरा, वरुण कुमार, नेहा यादव, महेंद्र कुमार, महेश चंद, प्रदीप यादव स्टेशन अधीक्षक, स्टेशन मास्टर वर्ग के मुकेश यादव और नवीन यादव, राजेंद्र, देशराज व सूरज सहित अनेक कर्मचारी मौजूद थे।

बच्चों के संस्कार, सफलता व व्यक्तित्व निर्माण में मां की महत्वपूर्ण भूमिका

द वेदांता इंटरनेशनल स्कूल में मदर्स डे मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेता स्कूल स्टाफ व बच्चे। फोटो: हरिभूमि

दा वेदांता इंटरनेशनल स्कूल में मदर्स डे समारोह उमंग व पारिवारिक वातावरण के बीच आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माताओं, अभिभावकों व बच्चों की भारी उपस्थिति देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. मेघा मित्तल व ओरिएंटल बैंक की डिप्टी मैनेजर कविता यादव ने दीप प्रज्वलन व मां सरस्वती के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया। विद्यालय प्रबंधन ने अतिथियों का स्मृति चिह्न व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। चेयरमैन डॉ. विनोद कुमार यादव व प्राचार्य अनिल मुखीजा ने कहा कि मां बच्चों की पहली गुरु होती है और उनके संस्कार, सफलता व व्यक्तित्व निर्माण में मां की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

उन्होंने सभी माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि मदर्स डे केवल एक उत्सव नहीं बल्कि मातृत्व के त्याग, प्रेम व समर्पण को सम्मान देने का दिन है। कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं ने समारोह को बेहद रोचक व मनोरंजक बना दिया। रैंप वॉक में माताओं ने आत्मविश्वास व आकर्षक प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया, वहीं म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एसडी स्कूल ककराला में शिक्षक अभिभावक बैठक

कनीना। रविवार को एसडी विद्यालय ककराला के प्रांगण में मदर्स डे मनाया गया। इस समारोह का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या डॉ. शिप्रा सारस्वत ने किया। समारोह के दौरान बच्चों ने अपनी माताओं को समर्पित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त माताओं के लिए आयोजित नृत्य, गायनए खेल और विभिन्न रोचक गतिविधियों ने कार्यक्रम में उत्साह भर दिया। प्राथमिक अनुभाग की समन्वयक स्नेहा यादव ने वार्षिक पाठ्यक्रम की जानकारी साझा करते हुए बताया कि विद्यालय का मुख्य उद्देश्य खेलकूद और गतिविधि आधारित शिक्षा प्रदान करना है, जिसके चलते छात्र मनोरंजन के साथ प्रभावी ढंग से सीख सकें। उन्होंने बताया कि मदर्स डे के साथ विद्यालय में अभिभावक व अध्यापक बैठक का भी आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावकों ने हिस्सा लिया। चेयरमैन जगदेव यादव ने माताओं का मातृ दिवस पर अभिनंदन किया। उन्होंने पीटीएम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक और अभिभावक के बीच समय समय पर होने वाला संवाद ही बच्चों के लिए सही मार्ग चुनने का आधार है।

आरपीएस स्कूल में मातृ दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित माताएं। फोटो: हरिभूमि

रंगीन परिधानों से सुसज्जित माताएं, अपने बच्चों के साथ कदम से कदम मिलाकर मंच पर दमदार प्रस्तुति देने को बेताब और बैकग्राउंड में चमकती-दमकती लाइट्स के बीच गूंजती तालियों की गड़गड़ाहट। पंडाल में चारों तरफ 'वन्स मोर-वन्स मोर' का शोर... ऐसा ही अद्भुत और भावुक कर देने वाला नजारा आरपीएस विद्यालय के प्राइमरी विंग द्वारा मातृ दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित ममत्व कार्यक्रम में देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव के गरिमामयी आगमन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन के बाद उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि मां जीवन की प्रथम गुरु, सबसे बड़ी प्रेरणा और निस्वार्थ प्रेम का सर्वोच्च स्वरूप होती है। एक संस्कारित एवं सशक्त समाज की नींव मां के आदर्शों और मूल्यों पर ही टिकी होती है। उनके इन विचारों ने वहां मौजूद सभी माताओं और अभिभावकों को भावविभोर कर दिया। इस विशेष अवसर पर ग्रुप के सीईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि मां परिवार की धुरी होती है, जो निस्वार्थ भाव से पूरे परिवार को एकता के सूत्र में पिरोकर रखती है। डिप्टी सीईओ कुणाल राव ने बच्चों के जीवन में माताओं के अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए उन्हें समाज का असली मार्गदर्शक बताया। कार्यक्रम के दौरान मंच पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की ऐसी अनूठी छटा बिखरी जिसने माताओं के इस दिन को हमेशा-हमेशा के लिए यादगार बना दिया। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने अपने संबोधन में मां के त्याग, धैर्य और स्नेह को जीवन की सबसे अमूल्य शक्ति बताया और कार्यक्रम की सफलता पर सभी माताओं व अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

परिचर्चा | महाराणा प्रताप भारतीय स्वाभिमान और राष्ट्रनिष्ठा के अमर प्रतीक : मधुर

महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने हल्दी घाटी के अमर नायक को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से राष्ट्र गौरव का प्रताप वर्तमान संदर्भ में महाराणा प्रताप की प्रासंगिकता विषय पर विचारोत्तेजक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए ट्रस्टी नरोत्तम सोनी व ओशिन शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम में क्षेत्र के शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं व गणमान्य व्यक्तियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रख्यात आर्य विद्वान रामसिंह मधुर व सामाजिक कार्यकर्ता राकेश चौहान उपस्थित रहे। विशिष्ट वक्ता के रूप में पूर्व जिला बालकल्याण अधिकारी विपिन शर्मा व शिक्षाविद अमीचंद सैनी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया, जिसमें उपस्थितजनों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामनिवास मानव ने भी अपनी उपस्थिति दी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रामसिंह मधुर ने कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय स्वाभिमान और राष्ट्रनिष्ठा के अमर प्रतीक हैं।

नारनौल। कार्यक्रम में महाराणा प्रताप को नमन करते हुए। फोटो: हरिभूमि

समाज में जागरूकता और प्रेरणा का कार्य

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की सीख देता है। ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता और प्रेरणा का कार्य करते हैं।

डिजिटल जनगणना का प्रथम चरण प्रगति पर: प्रवक्ता धर्मसिंह

नारनौल। उपायुक्त के मार्गदर्शन व चार्ज अधिकारी नायब तहसीलदार की देखरेख में जिले में जनगणना का कार्य तेजी से किया जा रहा है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रगणक धर्मसिंह ने बताया कि घरों की पहचान व नजरी नक्शा तैयार करने के बाद सभी प्रगणक व पर्यवेक्षक अपने अपने हाउस लिस्टिंग ब्लॉक में भवनों, जनगणना मकानों व परिवारों की जानकारी के साथ साथ मकान में विभिन्न सुविधाओं के आंकड़ों को जनगणना ऐप के माध्यम से डिजिटल पोर्टल पर दर्ज कर रहे हैं। डिजिटल जनगणना का प्रथम चरण सुचारू रूप से घर घर जाकर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार डिजिटल माध्यम से जनगणना का कार्य किया जा रहा है। इससे प्रगणकों व पर्यवेक्षकों का कार्य आसान हुआ है।

खोड़ में छबील लगाकर राहगीरों को पिलाया ठंडा जल

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव खोड़ में अष्टमी के पावन मौके पर ग्यारस माता मंदिर के समीप छोटे–छोटे बच्चों द्वारा छबील लगाकर राहगीरों को ठंडा जल पिलाया गया। इस गर्मी के बीच बच्चों की इस सेवा भावना ने सभी का मन मोह लिया और ग्रामीणों ने उनकी जमकर सराहना की। मंदिर के पुजारी जयपाल ने बताया कि अष्टमी के दिन छबील लगाई है, जिसमें गांव के बच्चों ने सहयोग किया है। सड़क किनारे स्टॉल लगाकर गुजरने वाले वाहन चालकों व राहगीरों को रोक-रोककर ठंडा जल पिलाया। तेज गर्मी में शीतल जल पाकर लोगों ने राहत महसूस की और बच्चों को आशीर्वाद दिया।

खबर संक्षेप

ट्रेन से टकराने से युवक की मौत

रेवाड़ी। रविवार को न्यू रेवाड़ी-न्यू धारूहेड़ा रेल लाइन बिठवाना फ्लाईओवर पर एक अज्ञात युवक की ट्रेन से टकराने मौत हो गई। जीआरपी महिला एएसआई उर्मिला देवी ने बताया कि डीएफसी लाइन पर न्यू रेवाड़ी न्यू धारूहेड़ा रेल लाइन बिठवाना फ्लाई ओवर पर एक 25 वर्षीय अज्ञात युवक की ट्रैन से टकराने की सूचना मिली थी। मौके पर युवक को मृत पाया गया। मृतक के शव को शिनाख्त के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है।

अवैध देशी शराब बेचते हुए एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सेक्टर-3 चौकी पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान यूपी के जिला अमरोहा के गांव कायस्थान हसनपुर हाल कियरायेदार मोहल्ला हंस नगर निवासी गौरव के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 112.5 बोतल देशी शराब बरामद की है। गत 9 मई को पुलिस को सूचना मिली कि गौरव निवासी मोहल्ला हंस नगर अवैध शराब बेचने का कारोबार करता है तथा अपने किराये के मकान के सामने अवैध रूप से देशी शराब बेच रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने आरोपी को मौके से काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

गुढ़ा में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा 16 को

कनीना। गांव गुढ़ा में 16 मई को दादा छाजूवीर आश्रम में नवनिर्मित श्री शनिदेव मंदिर में शनिदेव महाराज की मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा की जाएगी। इस समारोह का संयोजन एसएम अशोक कुमार खोला की ओर से किया जाएगा।

दोनों निकाय में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत समर्थक मैदान में

नप चुनाव में भाजपा-कांग्रेस में सीधा व धारूहेड़ा में बहूकोणीय मुकाबला

रेवाड़ी। गवर्नमेंट ब्वायज के बूथ पर व्हील चेयर पर वोट डालकर आती 75 वर्षीय बिमला। फोटो : हरिभूमि

- चेयरमैन पद को लेकर राव की प्रतिष्ठा लगी है दाव पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

नगर परिषद और धारूहेड़ा नगर पालिका दोनों के चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने के बाद राजनीतिक विश्लेषकों की निगाहें चुनाव परिणाम पर टिक चुकी हैं। दोनों ही निकाय में सबसे अधिक प्रतिष्ठा केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की दाव पर है, जिन्होंने संगठन के दावेदार को साइडलाइन कराते हुए अपने समर्थकों को ही भाजपा की टिकट दिलाई थी। मतदाताओं ने अपना फैसला ईवीएम के हवाले कर दिया है। मतदान के बाद हुई मतदाताओं से बातचीत शहर से लेकर धारूहेड़ा तक कमल खिलने के संकेत दे रही है, परंतु साइलेंट वोटर नया गुल भी खिला सकते हैं।

वर्ष 2020 के नगर परिषद चुनावों में मुकाबला त्रिकोणीय रहा था। भाजपा प्रत्याशी पूनम यादव निर्दलीय प्रत्याशी उपमा यादव को हराकर चेयरमैन बनी थीं। कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम यादव को तीसरे नंबर पर संतोष करना पड़ा था। पूनम को हराने के लिए भाजपा का ही एक खेमा अंतिम वोट तक सक्रिय रहा था, परंतु राव समर्थकों ने उनका बेड़ा पार कर दिखाया था। इस बार हालात पूरी तरह बदले हुए नजर आए। नगर परिषद चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी नेहारिका ने भाजपा प्रत्याशी विनीता पीपल को सीधी टक्कर दी। निर्दलीय प्रत्याशी ज्यादा असरदार साबित होते नजर नहीं आए। शकुंतला भांडोरिया का कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में मैदान से हट जाना भी नेहारिका के लिए ज्यादा फायदे का सौदा साबित होता नजर नहीं आया। शहर के कई बूथों पर कांग्रेस के स्टाल्स से कार्यकर्ता तक गायब थे, जबकि भाजपा का बूथ मैनेजमेंट काफी मजबूत नजर आ रहा था। किसी भी बूथ पर डा. मीनू डहीनवाल को छोड़कर निर्दलीय प्रत्याशी या उनके समर्थक एक्टिव नजर नहीं आ रहे थे। अगर भाजपा में राव विरोधी खेमा भीतरघात से दूर रहा, तो दोनों निकाय में कमल आसानी से खिल सकता है।

रेवाड़ी। वार्ड नंबर-15 के बूथ के बाहर लगी लोगों की भीड़। फोटो : हरिभूमि

पुलिस कर्मियों ने मतदान केंद्रों पर दिखाई मानवता

रेवाड़ी। रविवार को शहरी निकाय आम चुनाव व पंचायती राज संस्थाओं के उप चुनावों के दौरान जिला पुलिस ने जहां सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक प्रबंध किए, वहीं मतदान केंद्रों पर बुजुर्गों व दिव्यांगों की मदद करके मानवता की मिसाल भी पेश की। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा, ने पुलिस कर्मियों को पूरी चुनाव प्रक्रिया के दौरान मतदान केंद्रों पर लोगों से शालीनता से मधुर व्यवहार व सेवा भाव रखने के निर्देश दिए थे। मतदान केंद्रों पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को व्हीलचेयर उपलब्ध कराने, मतदान केंद्र तक सुरक्षित पहुंचाने, लाइन में प्राथमिकता दिलाने तथा आवश्यक सहायता प्रदान करने का कार्य किया। बूथों पर पुलिसकर्मी बुजुर्गों को सहारा देकर मतदान केंद्र तक लेकर गए, जिससे मतदाताओं में सुरक्षा एवं सम्मान की भावना देखने को मिली। पुलिस ने चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुगम तरीके से संपन्न कराने के साथ-साथ प्रत्येक मतदाता की सुविधा का विशेष ध्यान रखा।

राव इंद्रजीत समर्थक अजय जांगड़ा को प्रत्याशी बनाया था

कम मतदाताओं वाली धारूहेड़ा नगर पालिका में भाजपा ने राव इंद्रजीत समर्थक अजय जांगड़ा को प्रत्याशी बनाया था। कांग्रेस ने राज को टिकट देकर मैदान में उतारा था। अजय को जिताने के लिए राव इंद्रजीत सिंह ने कोसली के विधायक अनिल यादव और अनिल रायपुर को इलेक्शन मैनेजमेंट का जिम्मा सौंपा था। इनके अलावा पूर्व चेयरमैन कंवर सिंह यादव और बाबूलाल लांबा के मैदान में उतरने से मुकाबला बहूकोणीय नजर आने लगा।

वंदना और सुनील ने बहाया पसीना

शहर में राव इंद्रजीत सिंह ने विनीता पीपल को जिताने के लिए जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली के साथ वरिष्ठ नेता सुनील मुसेपुर को चुनाव प्रबंधन की कमान सौंपी थी। जिलाध्यक्ष के रूप में वंदना ने अपने काम को शहर से लेकर धारूहेड़ा तक बखूबी अंजाम दिया, जबकि सुनील मुसेपुर ने राव का मान बढ़ाने के लिए प्रचार अभियान के दौरान दिन-रात पसीना बहाया। बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार ने भी शहर में पूरी सक्रियता दिखाई।

जबरदस्त रहा भाजपा का बूथ प्रबंध

कांग्रेस के मुकाबला भाजपा का बूथ प्रबंधन इक्कीस साबित हुआ। लगभग हर बूथ पर भाजपा के वर्कर पूरी सर्तकता के साथ आने काम को अंजाम दे रहे थे। इसके मुकाबले कांग्रेस खेमे में हलचल काफी कम रही। बूथों के बाहर लगाए टैंट से दोपहर बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं की संख्या कम होती नजर आई, जबकि भाजपा के वर्कर अंतिम वोट तक मोर्चा संभाले रहे। इसे वंदना पोपली के कुशल नेतृत्व का परिणाम माना जा रहा है।

'खेला' होने की भी पूरी आशंका

मतदान के दौरान शाम के समय कई बूथों पर 'खेला' होने की भी पूरी आशंका बनी रही। चर्चा रही कि एक ओर जहां राव इंद्रजीत सिंह समर्थक विनीता पीपल को जिताने के लिए एक-एक वोट डलवाने के लिए पसीना बहा रहे थे, तो भाजपा के ही राव विरोधी उन्हें हराने पर ताकत झोंक रहे थे। अगर विरोधी खेमे की कवायद अंदरखाने सिर चढ़ी, तो भाजपा प्रत्याशी जीती बाजी हार भी सकती हैं।

राव इन्द्रजीत सिंह

वंदना पोपली

सुनील मुसेपुर

कांग्रेस प्रत्याशी नेहारिका

भाजपा प्रत्याशी विनीता

गांव फतेहपुरी टप्पा डहीना में सरपंच बने मुकेश कुमार

पंचायती राज संस्थाओं के उप चुनाव-जिला में 20 वार्डों में से 12 पंच सर्वसम्मति से चुने गए

रेवाड़ी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि जिला में रविवार 10 मई को आयोजित हुए पंचायती राज संस्थान के उपचुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुए। जिले में एक सरपंच, एक पंचायत समिति सदस्य पद के उपचुनाव हुए है। इसके अलावा विभिन्न वार्डों में 20 पंच पद के चुनाव में 12 पंच निर्विरोध चुने गए व 8 वार्डों में पंच पद के लिए किसी भी उम्मीदवार ने नामांकन नहीं किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला में डहीना खंड के गांव फतेहपुरी टप्पा डहीना में सरपंच पद के लिए मुकेश कुमार निर्वाचित हुए और बावल खंड पंचायत समिति सदस्य के वार्ड नंबर 5 के लिए गांव झाबुआ की पूनम कुमारी निर्वाचित हुई है।

ये पंच चुने गए निर्विरोध

रविवार, 10 मई हुए पंचायत के उपचुनाव में 12 पंच निर्विरोध चुने गए है। इनमें गांव सुलखा में वार्ड 5, डहीना के वार्ड 5, कहाड़ी में वार्ड 1, मालियाकी में वार्ड 3, बेरली खुर्द में वार्ड 1 और वार्ड 10, बेरली कलां में वार्ड 5, हांसाका में वार्ड 5, हर्जीपुर में वार्ड 3, नेहरूगढ में वार्ड 10, भाकली-2 में वार्ड 13 तथा कुहारड़ में वार्ड 1 शामिल हैं।इन वार्डों पर नहीं हुआ नामांकन जिला के गांव रघुनाथपुरा में वार्ड 6, नैचाना में वार्ड 9, ढाणी जरावत में वार्ड 6, डवाना में वार्ड 3, नांगलिया रणमोख में वार्ड 6, नया गांव में वार्ड 4 और वार्ड 6 तथा ढालियावास में वार्ड 8 शामिल है।

रेवाड़ी। एक बुजुर्ग महिला को बूथ तक ले जाते हुए पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

पुलिसकर्मियों ने दिव्यांगजनों और बुजुर्गों की मदद

रेवाड़ी। मतदान के दौरान पुलिसकर्मी कई बूथों पर जरूरतमंद मतदाताओं की खुलकर मदद करते हुए नजर आए। बुजुर्गों से लेकर दिव्यांग मतदाताओं को वोट डालने के लिए उन्हें मतदान केंद्रों तक पहुंचाया। लोगों ने पुलिसकर्मियों की इस तरह की मानवीय भावना की जमकर सराहना की। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने पुलिसकर्मियों को स्पष्ट तौर पर निर्देश दिए थे कि वह कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ बूथों पर आने वाले बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाता के साथ-साथ दूसरे जरूरतमंदों की भी मदद करें। उन्हें मतदान के दौरान कोई परेशानी नहीं आनी चाहिए। एसपी के निर्देश पर मतदान केंद्रों पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने वृद्ध एवं दिव्यांग मतदाताओं को व्हीलचेयर उपलब्ध करवाने, मतदान केंद्र तक सुरक्षित पहुंचाने, लाइन में प्राथमिकता दिलाने तथा आवश्यक सहायता प्रदान करने का कार्य किया गया। कई स्थानों पर पुलिसकर्मी बुजुर्गों को सहारा देकर मतदान केंद्र तक लेकर गए, जिससे मतदाताओं में सुरक्षा एवं सम्मान की भावना देखने को मिली।

रेवाड़ी। सोमनाथ महोत्सव की तैयारियों का निरीक्षण करते हुए एसडीएम।

कोसली में जिला स्तरीय सोमनाथ स्वाभिमान महोत्सव आज

कोसली। कोसली के झज्जर बाईपास रोड पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में 11 मई को जिला स्तरीय सोमनाथ स्वाभिमान महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में राज्यसभा सदस्य एवं सांसद रेखा शर्मा शिरकत करेंगी। इनके अलावा कोसली के विधायक अनिल यादव, रेवाड़ी के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव तथा बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार विशिष्ट अतिथि रहेंगे। कोसली के एसडीएम विजय कुमार यादव ने बताया कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। सोमवार को सुबह 9 बजे कोसली मठ मंदिर से शिव मंदिर तक महिलाओं की ओर से कलश यात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर शिव तांडव और भगवान महादेव की भक्ति पर आधारित ां स्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। एसडीएम ने कहा कि सोमनाथ मंदिर के संघर्ष, आक्रमण और पुनरुत्थान के एक हजार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मना रही है। यह पर्व 11 मई से 11 जनवरी तक जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में सोमनाथ मंदिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का लाइव प्रसारण भी होगा। सोमनाथ मंदिर का देश की आजादी के बाद मई 1951 में पुनर्निर्माण कराया गया था, जिसके अब 75 साल पूरे होने जा रहे हैं। भगवान शिव के 12 ज्योर्तिलिंगों में से सोमनाथ को प्रथम ज्योर्तिलिंग माना गया है। बीडीपीओ अनिल कुमार को महोत्सव का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक संस्थानों का किया भ्रमण

- छात्रों ने न केवल अकादमिक ज्ञान प्राप्त किया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मीरपुर

रेवाड़ी। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान देहरादून में शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों को देहरादून के प्रमुख वैज्ञानिक और प्राकृतिक संस्थानों का तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। यात्रा का मुख्य उद्देश्य छात्रों को वन्यजीव संरक्षण, वानिकी अनुसंधान और जैव-विविधता के व्यावहारिक पहलुओं से रूबरू कराना था। शैक्षणिक दौरे का नेतृत्व विभागाध्यक्ष प्रो. पंकज त्यागी और डा. श्रुति ने किया, यात्रा की समन्वय टूर को-ऑर्डिनेटर डा. प्रिया कुमारी रहीं। तीन दिनों के यात्रा दौरान छात्रों ने भारतीय प्राणी सर्वेक्षण में हिमालयी क्षेत्र की दुर्लभ प्रजातियों के दस्तावेजीकरण को देखा, वन अनुसंधान संस्थान में पारिस्थितिक तंत्र के वैज्ञानिक प्रबंधन को समझा और देहरादून वन्यजीव चिड़ियाघर में जीवों के व्यवहार का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। प्रो. पंकज त्यागी, डा. श्रुति और डा. प्रिया कुमारी के मार्गदर्शन में छात्रों ने न केवल अकादमिक ज्ञान प्राप्त किया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझा।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते हुए माताएं व बच्चे।

डीएवी पुलिस-पब्लिक स्कूल में मनाया मदर्स-डे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

दिल्ली रोड पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस-पब्लिक स्कूल में मदर्स-डे उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। छात्र-छात्राओं की माताओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। समारोह की शुरूआत दीप प्रज्वलन और स्वागत गीत से हुई। बच्चों ने मां के सम्मान में मनमोहक नृत्य, गायन और लघु नाटिका प्रस्तुत कर लोगों का मन मोहा। इस मौके पर बच्चों की माताओं ने विभिन्न खेलों और गतिविधियों में हिस्सा लिया। विद्यालय प्रशासन ने सभी माताओं को सम्मानित कर उनके योगदान की सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद थे। प्राचार्य ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में संस्कार और माता-पिता के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ करते हैं।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते हुए नन्हे बच्चे। फोटो : हरिभूमि

बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से किया मां की ममता का गुणगान

रेवाड़ी। जिले के गांव करावरा मानकपुर स्थित हैरीटेज ग्लैक्सी इंटरनेशनल स्कूल में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी उषा एवं सरला उपस्थित रहीं। प्रिंसिपल पूजा की अगुवाई में अतिथियों का विद्यालय में स्वागत किया गया। इस मौके पर स्कूल डायरेक्टर एडवोकेट निशांत यादव व कमल यादव ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से एक ओर जहां विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन होता है, वहीं हमारे परिवारजनों विशेषकर माता-पिता की महता से भी अवगत कराया जाता है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अनेक रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। अभिभावकों एवं अतिथियों ने बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों की सराहना की। विद्यार्थियों ने कार्यक्रमों के माध्यम से मां की ममता का जमकर गुणगान किया। इस अवसर पर बच्चों की माताओं के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली माताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। विद्यालय प्रबंधन ने सभी माताओं एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

न्याय और धर्म एक ही सिक्के के दो पहलू: राजकुमार यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

कोसली क्षेत्र के गांव बव्वा स्थित प्राचीन शीतला माता मंदिर परिसर में रविवार को धार्मिक समारोह का आयोजन किया गया। झज्जर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजकुमार यादव ने विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ राधा-कृष्ण मंदिर की आधारशिला रखी। इस अवसर पर पूरा वातावरण राधे-राधे और जय श्रीकृष्ण के उद्घोष से गुंजायमान रहा। इस मौके पर श्रीमद् भागवत आश्रम दड़ौली के संत समर्पणानंद महाराज और हरिहर आश्रम बव्वा के महाराज कैलाश ने कहा कि मंदिर केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र होते हैं। उन्होंने ग्रामीण एकता और भक्ति की सराहना करते हुए मंदिर निर्माण को लोक कल्याण का मार्ग बताया। यजमान के रूप में अपने पैतृक गांव बव्वा पहुंचे जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजकुमार यादव ने भूमि पूजन कर नींव की प्रथम ईंट रखी। उन्होंने कहा कि न्याय और धर्म एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। समाज में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए इस प्रकार के प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह मंदिर आने वाली पीढ़ियों के लिए संस्कार और शांति का केंद्र बनेगा। मंदिर कमेटी के अनुसार राधा-कृष्ण मंदिर जन्माष्टमी पर्व तक बनकर तैयार हो जाएगा। भूमि पूजन के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। महिलाओं ने मंगल गीत गाए और युवाओं ने मंदिर निर्माण में श्रमदान का संकल्प लिया।

रेवाड़ी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजकुमार यादव भूमि पूजन कर राधा-कृष्ण मंदिर की आधारशिला रखते हुए।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर सरपंच सुनीता देवी, शीतला माता मंदिर कमेटी के प्रधान चंद्रभान साहब, सरपंच प्रतिनिधि गोपी राम,सुरेश कुमार, राजकुमार शास्त्री, पूर्व सरपंच सूरत सिंह, पूर्व सरपंच चिरंजीलाल, मास्टर बिहारी लाल, पूर्व सरपंच ईश्वर सिंह, सज्जन साहब, राजीव कुमार, मनोज कुमार, रोहतास सिंह व हरिओम सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

पशुओं को खुरपका-मुंहपका तथा गलघोटू जैसी संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए लगाए जाएंगे टीके

धारूहेड़ा उपमंडल में आज से एक माह तक चलेगा पशुओं का टीकाकरण, टीमों का हुआ गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धारूहेड़ा

पशुपालन एवं डेयरी विभाग की ओर से पशुओं को खुरपका-मुंहपका तथा गलघोटू जैसी संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया जा रहा है। विभाग की ओर से मई-जून के लिए धारूहेड़ा उपमंडल का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है।

अभियान के तहत गांव-गांव जाकर पशुओं को निःशुल्क टीके लगाए जाएंगे, ताकि क्षेत्र में पशुधन को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सकें। पशु चिकित्सालय धारूहेड़ा के प्रभारी डा. राजेश महलावत ने बताया कि यह 11वें चरण का ड्यूल वैक्सीनेशन अभियान है, जिसके अंतर्गत पशुओं को एक साथ एफएमडी और एचएस रोगों से बचाव के टीके लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है और पशुओं में फैलने वाली संक्रामक बीमारियां पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाती हैं। ऐसे में समय पर टीकाकरण बेहद जरूरी है। विभाग की ओर से टीकाकरण के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। प्रत्येक गांव में निर्धारित तिथियों पर विभाग की टीम पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण करेगी। अभियान के दौरान पशुपालकों को जागरूक भी किया जाएगा।

रेवाड़ी। राजकीय पशु चिकित्सालय धारूहेड़ा। फोटो : हरिभूमि

इन गांवों में पहुंचेगी टीकाकरण टीम

कार्यक्रम के अनुसार 11 मई को मालपुरा, 12 मई को जोनियावास, 13 मई को कापड़ीवास, 14 और 15 मई को खरखड़ा, 16 से 18 मई तक गढ़ी अलावलपुर, 19 मई को महेश्वरी तथा 20-21 मई को आंकेड़ा गांव में टीकाकरण किया जाएगा। इसके अलावा 22 से 26 मई तक घटाल महनियावास क्षेत्र में अभियान चलाया जाएगा। वहीं 28 मई से 1 जून तक धारूहेड़ा नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 1 से 13 में विशेष रूप से टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। जून माह में 2 से 4 जून तक नंदरामपुर बास, 5-6 जून को भटसाना, 8-9 जून को ततारपुर खालसा तथा 9-10 जून को अलावलपुर गांव में टीम पहुंचेगी।

पशुपालकों से सहयोग की अपील

डा. महलावत ने पशुपालकों से अपील करते हुए कहा कि वे निर्धारित तिथियों पर अपने पशुओं को टीकाकरण के लिए अवश्य लेकर आएं तथा विभाग की टीम का पूरा सहयोग करें। उन्होंने कहा कि कई बार लापरवाही के कारण पशु गंभीर बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं, जिससे दूध उत्पादन प्रभावित होता है और पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने बताया कि खुरपका-मुंहपका रोग तेजी से फैलने वाला वायरल संक्रमण है, जबकि गलघोटू रोग भी पशुओं के लिए घातक माना जाता है। समय पर टीकाकरण ही इन बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। विभाग की ओर से क्षेत्र के अधिक से अधिक पशुओं को अभियान के तहत कवर किया जाएगा ताकि किसी प्रकार का संक्रमण फैलने की संभावना कम हो सकें।